कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–014

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. डी. वी. एस.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023

एम.वी.एस–014 : प्रासाद, ग्राम एवं नगरवास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–अ

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* 3×20=60

1. मूर्तिविचार के लिए वास्तुशास्त्र में क्या बताया गया है ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. मन्दिर निर्माण शैली का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. राजप्रासाद के आकार-प्रकार सम्बन्धी वास्तुशास्त्रीय नियमों का वर्णन कीजिए।

4. दुर्ग एवं सैन्य विचार सम्बन्धी सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।
5. ग्राम के भेद एवं उसकी वास्तु-योजना पर प्रकाश डालिए।
6. नगर के भेद एवं उसकी वास्तु-योजना पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड–ब

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $4 \times 10 = 40$

1. संक्षेप में मन्दिर निर्माण के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
2. राजप्रासाद सज्जा-विधि पर टिप्पणी लिखिए।
3. सुरप्रतिष्ठा से क्या अभिप्राय है ? वर्णन कीजिए।
4. जलाशयाराम से आप क्या समझते हैं ? परिभाषापूर्वक वर्णन कीजिए।
5. भुवनकोश के महत्त्व का वर्णन कीजिए।
6. पर्यावरण से वास्तु का क्या सम्बन्ध है ? उल्लेख कीजिए।
7. क्या आप जानते हैं कि अन्य चिन्तन का भारतीय वास्तुशास्त्र पर प्रभाव है ? वर्णन कीजिए।
8. वास्तुशास्त्र की दशा एवं दिशा पर टिप्पणी लिखिए।